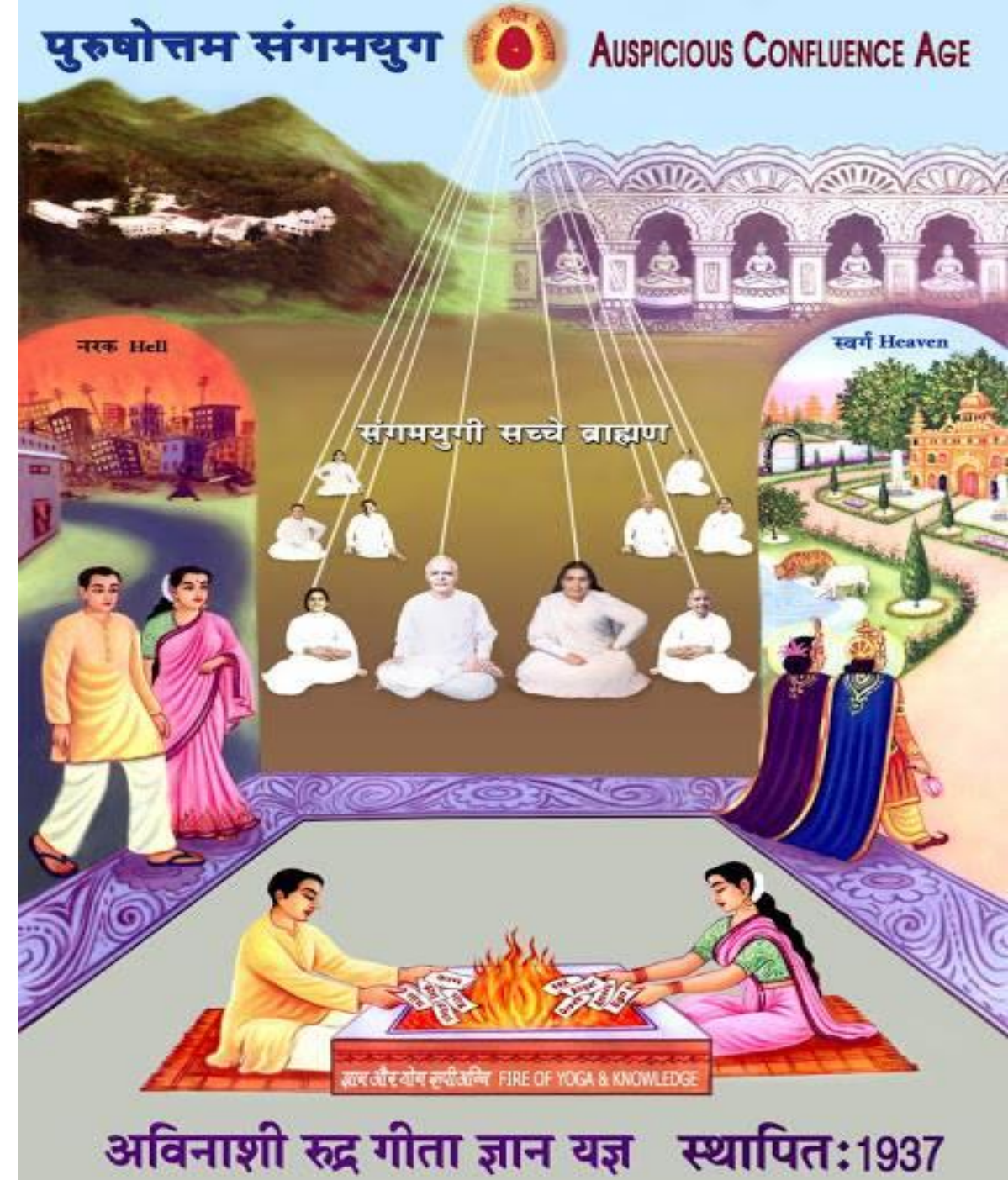
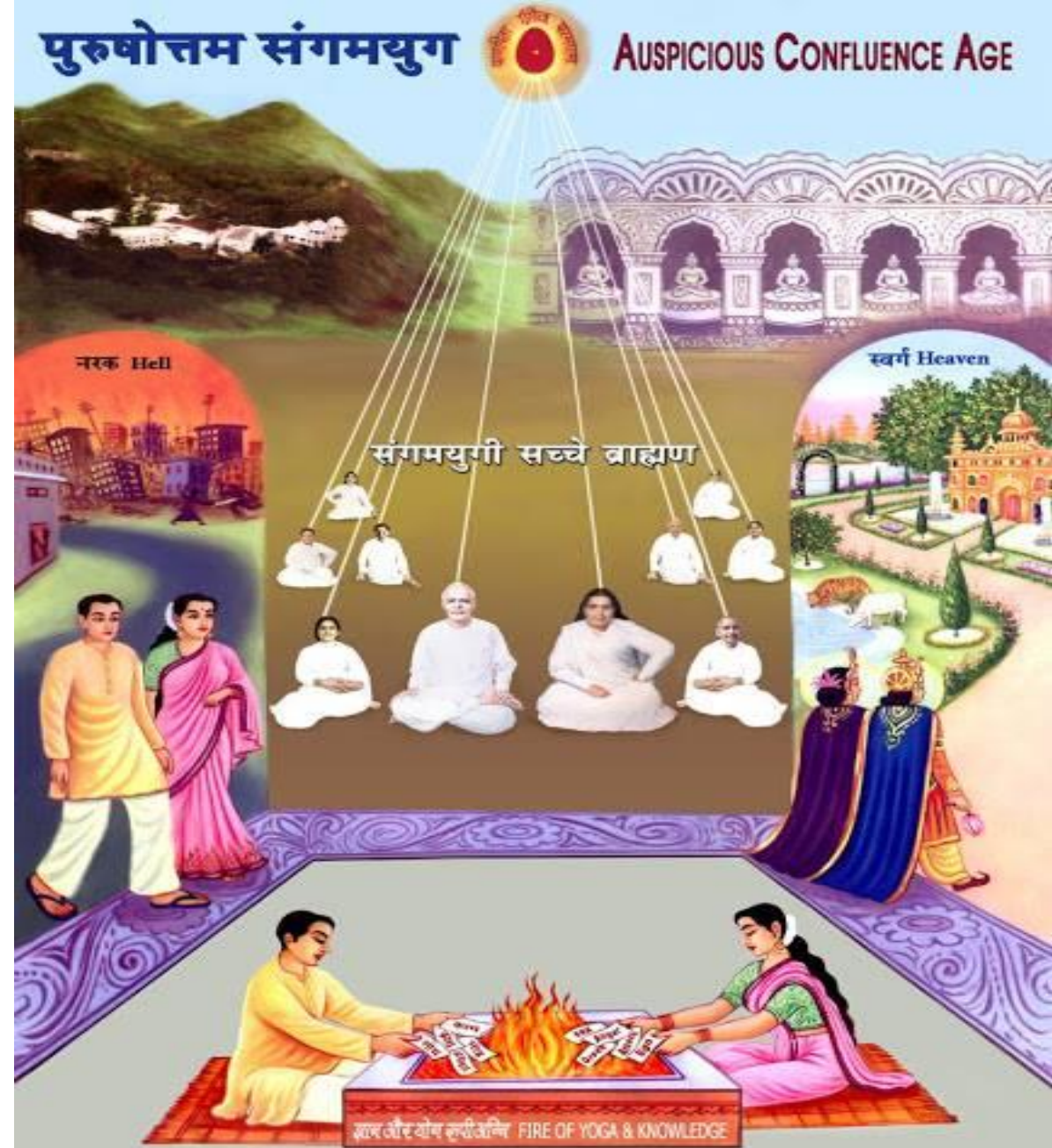


Self Respect

04-06-2014



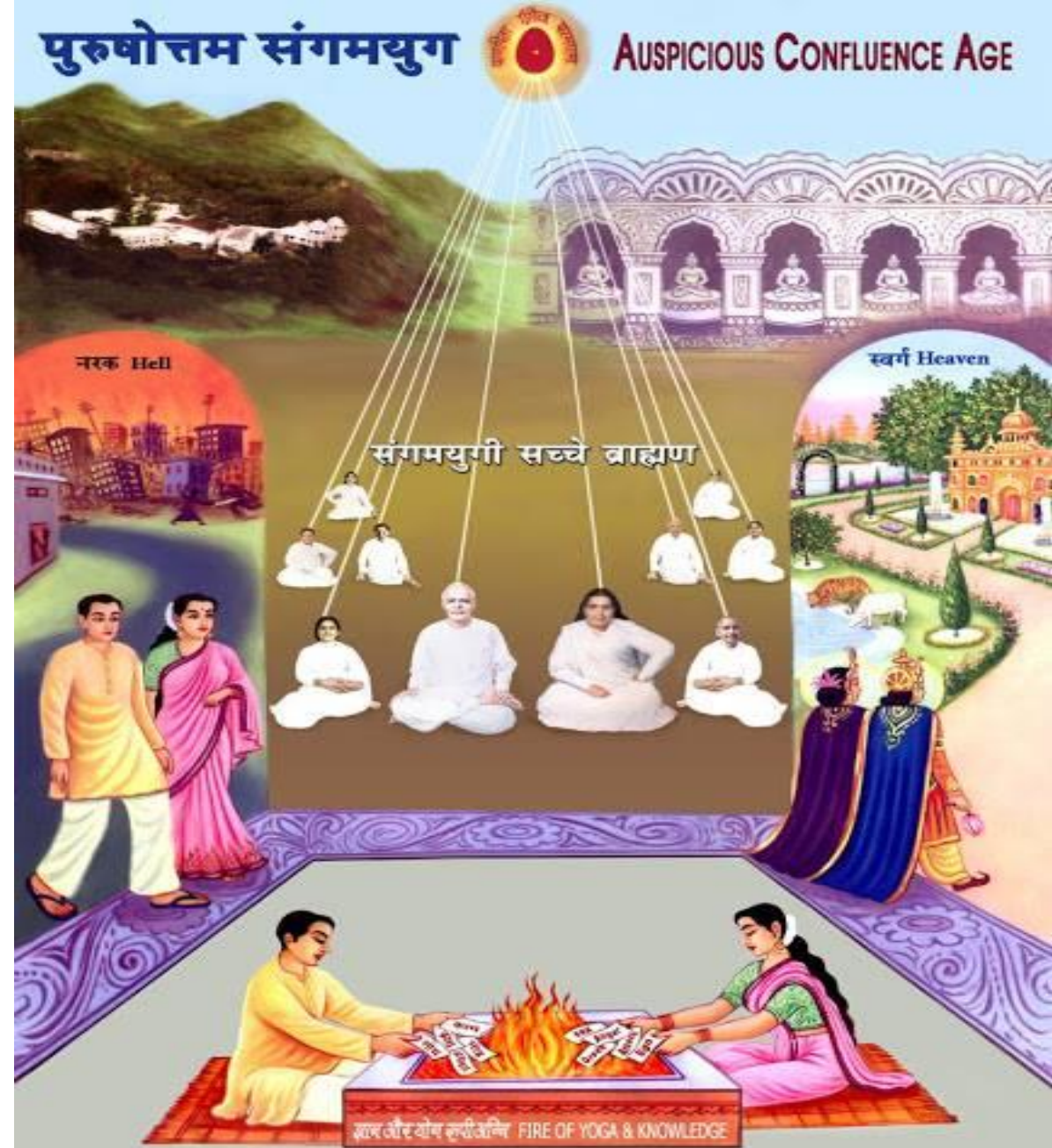
- ✓ उसमें हैं चने मुट्टी, इसमें है विश्व की बादशाही ।
बाप तुम बच्चों को विश्व की बादशाही दे रहे हैं ।
- ✓ अभी तुम्हारी मुट्टी हीरों से भर रही है । बाकी
और तो सब विनाश हो जायेंगे ।



अविनाशी रुद्र गीता ज्ञान यज्ञ स्थापित:1937

✓ सतगुरु तो एक ही है, बाकी गुरु कहलाने वाले तो ढेर हैं। अब तुमको सतगुरु मिला है वह सत्य बाप भी है तो सत्य टीचर भी है।

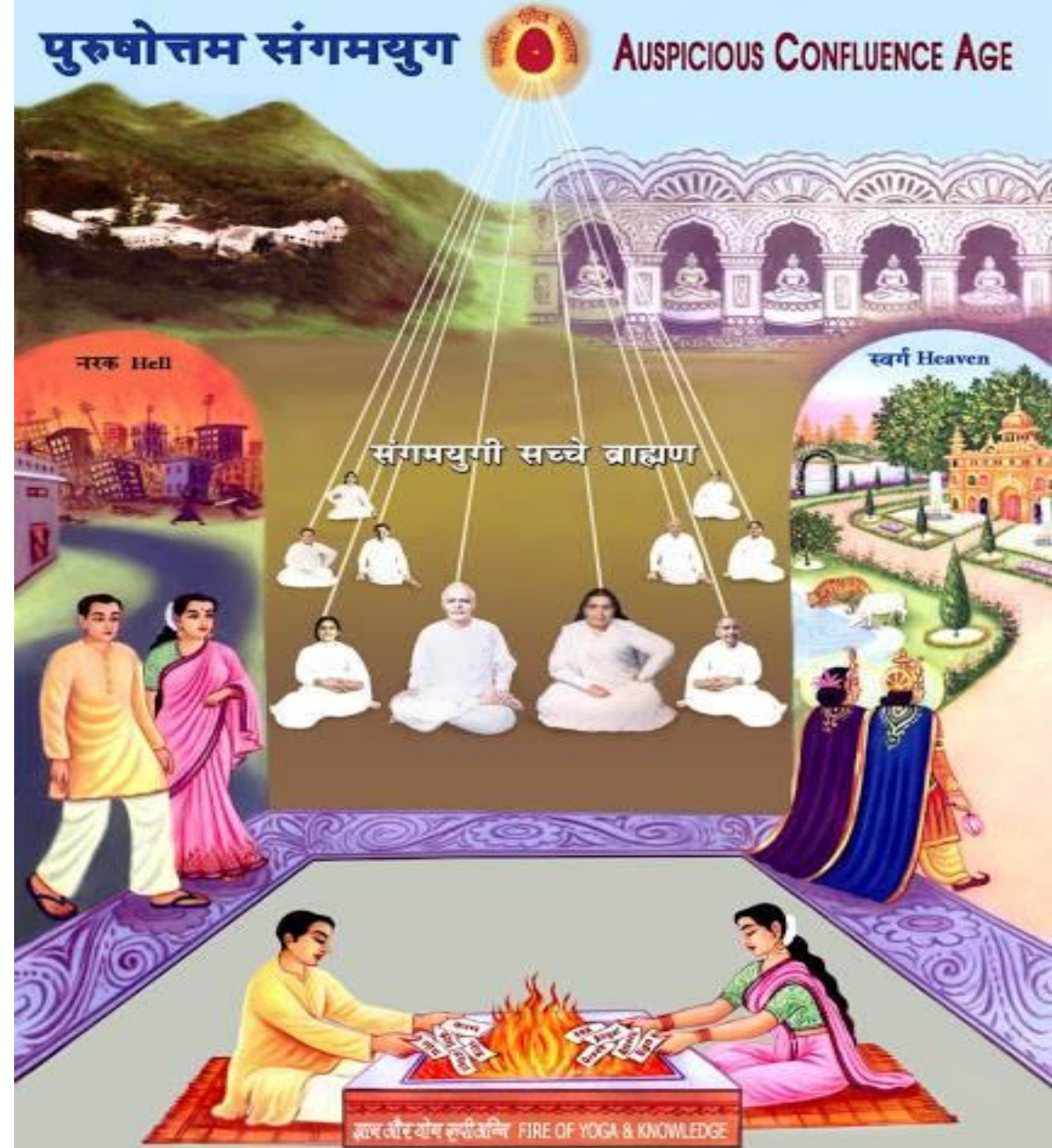
✓ तुम तो बिल्कुल सच कहते हो। यह है संगमयुग। उस तरफ़ है चने मुट्टी, इस तरफ़ है हीरों की मुट्टी। अभी तुम बन्दर से मन्दिर लायक बनते हो। पुरुषार्थ कर हीरे जैसा जन्म लेना चाहिए ना।



अविनाशी रुद्र गीता ज्ञान यज्ञ स्थापित:1937

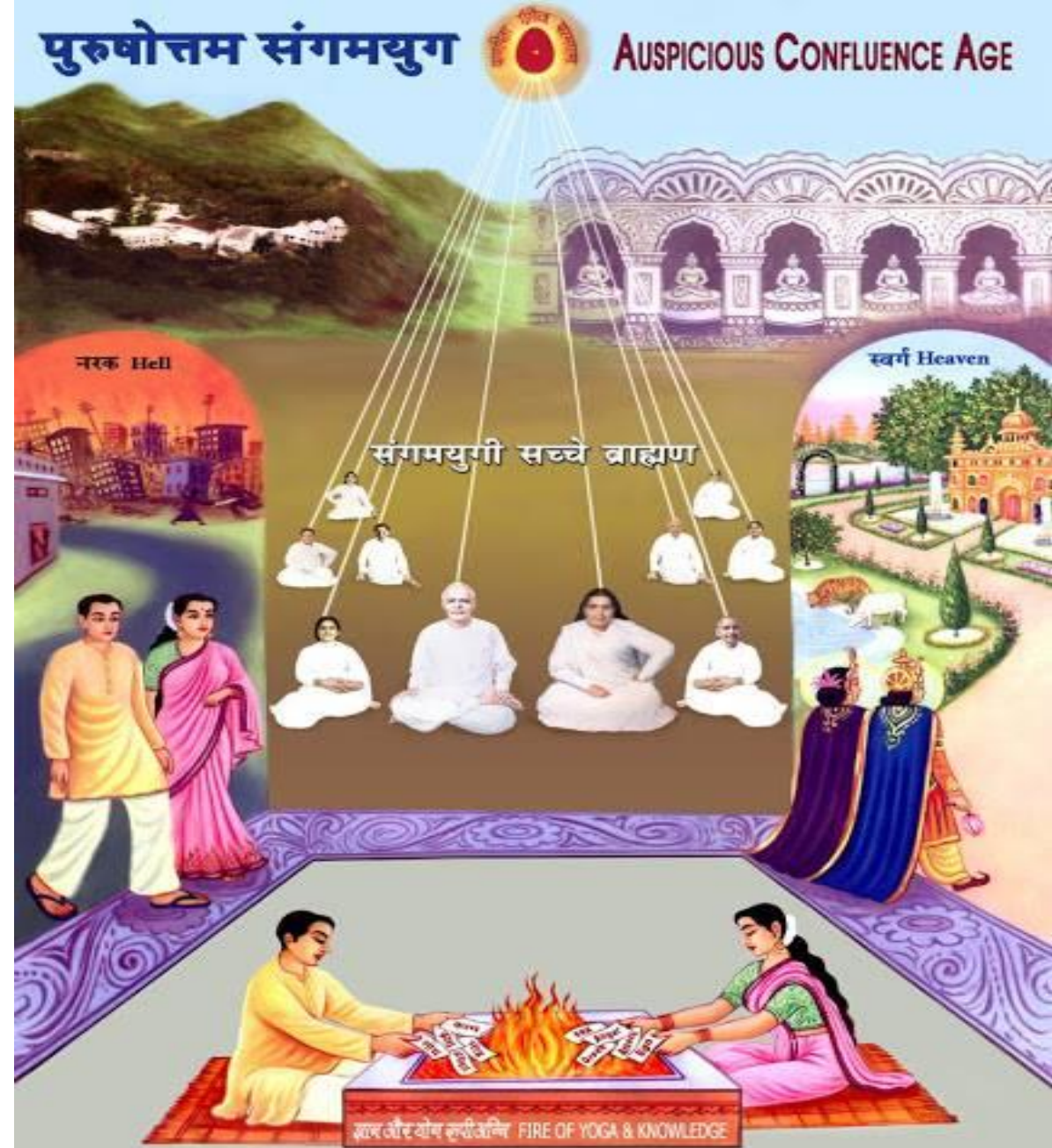
✓ बाप कहते हैं मैं तुमको विश्व की बादशाही देने आया हूँ । परन्तु किसी-किसी के नसीब में नहीं है ।

✓ जितना पुरुषार्थ करेंगे उतना ऊँच पद पायेंगे, वह भी 21 जन्म के लिए । यहाँ है अल्पकाल का सुख । आज कुछ मर्तबा, कल मौत आ गया, खलास । योगी और भोगी में फ़र्क है ना ।



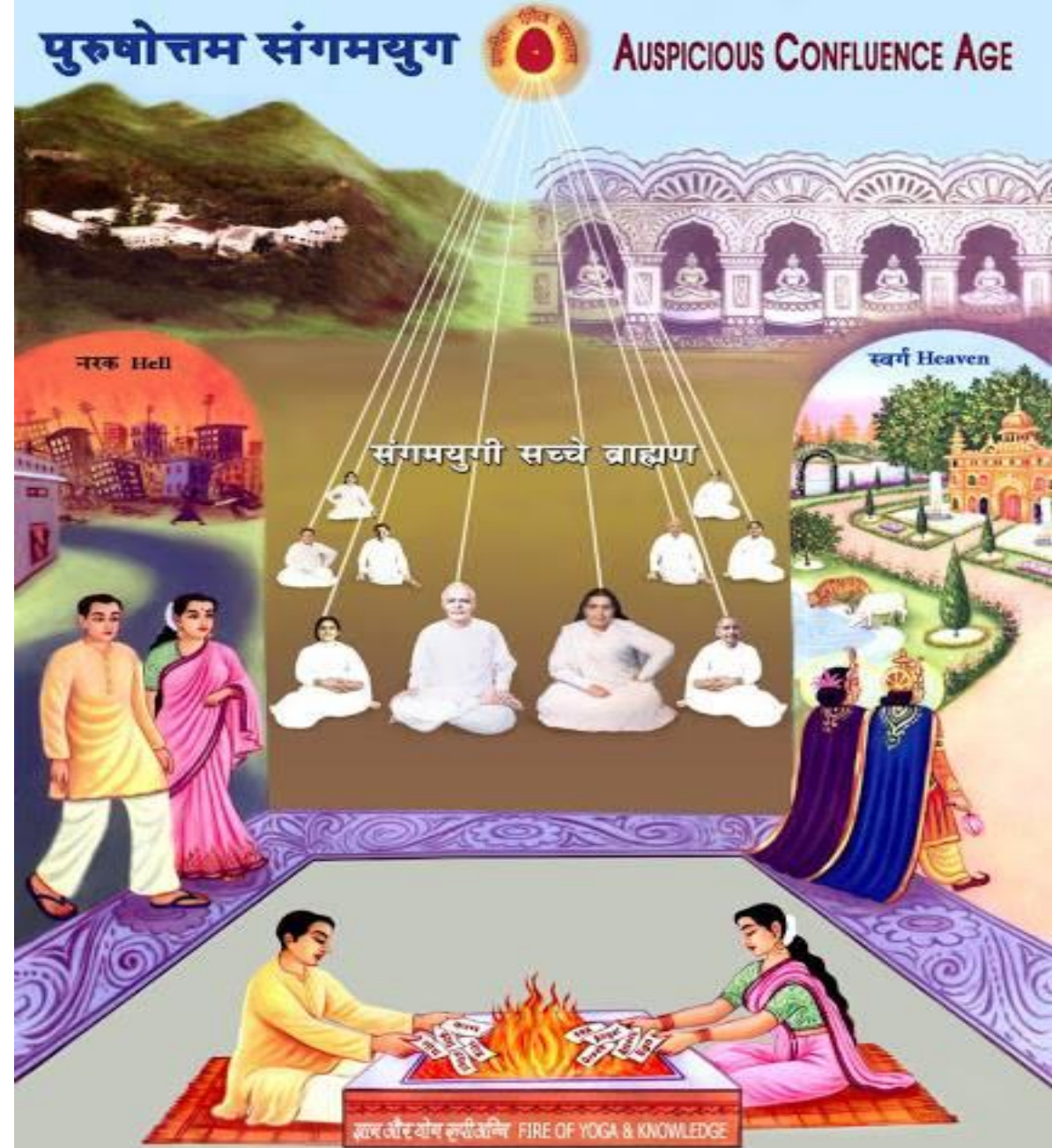
अविनाशी रुद्र गीता ज्ञान यज्ञ स्थापित:1937

- ✓ इस ब्राह्मण जीवन में परमात्म आशीर्वाद की पालना प्राप्त करने वाली महान आत्मा भव
- ✓ इस ब्राह्मण जीवन में परमात्म-आशीर्वादेँ और ब्राह्मण परिवार की आशीर्वादेँ प्राप्त होती हैं | यह छोटा सा युग सर्व प्राप्तियाँ और सदाकाल की प्राप्तियाँ करने का युग है | स्वयं बाप हर श्रेष्ठ कर्म, श्रेष्ठ संकल्प के आधार पर हर ब्राह्मण बच्चे को हर समय दिल से आशीर्वाद देते रहते हैं |



अविनाशी रुद्र गीता ज्ञान यज्ञ स्थापित:1937

✓ अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता
बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी
बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |



अविनाशी रुद्र गीता ज्ञान यज्ञ स्थापित:1937